# आइआइएफएल एसेट मैनेजमेंट ने आइआइएफएल कैपिटल एन्हैंसर फंड सीरीज 1 लॉन्च किया
# दीर्घकालिक निवेशकों पर लक्षित है यह सीरीज

**मुंबई, 11 अप्रैल 2018** : आइआइएफएल एसेट मैनेजमेंट (आइआइएफएल एएमसी) ने आज आइआइएफएल कैपिटल एन्हैंसर फंड – सीरीज 1 (इक्विटी और इक्विटी संबंधित प्रतिभूतियों में निवेश करने वाली एक एनुअल इंटरवल स्कीम) (''स्कीम'') को लॉन्च करने की घोषणा की है। इस स्कीम का उद्देश्य इक्विटी में बढ़ोतरी का लाभ दिलाना और साथ ही बाजार की गिरावट से इसे सुरक्षा प्रदान करना है। इस स्कीम को एक एनुअल इंटरवल स्कीम के तौर पर डिजाइन किया गया है, जिसका उद्देश्य इक्विटी और इक्विटी संबंधित प्रतिभूतियों में निवेश करके दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि हासिल करना है। इसकी रणनीति पोर्टफोलियो को निफ्टी 50 पुट ऑप्शन और अन्य इक्विटी डेरीवेटिव्स के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने की है।

भारत में संपदा आवंटन के परिदृश्य पर गौर करें तो पता चलता है कि निवेशक इक्विटी की बजाय फिक्स्ड इनकम को प्राथमिकता देते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि फिक्स्ड इनकम नियमित एवं स्थिर लाभ प्रदान करने के साथ ही पूंजी की सुरक्षा देती है। जबकि इक्विटी में जोखिम होता है। हालांकि, निवेशक इस बात को तवज्जो नहीं देते हैं कि इक्विटीज भले ही अल्पकाल में अस्थिर दिखाई पड़ती हैं लेकिन लंबे समय में इनसे अच्छी खासी पूंजी बनाई जा सकती है।

**श्री अमित शाह, आइआइएफएल एसेट मैनेजमेंट बिजनेस के सीईओ ने कहा,** ''आइआइएफएल एसेट मैनेजमेंट इक्विटी जोखिम से जुड़े निवेशकों के मनोभाव को समझता है और उन्हें बेहतर परिदृश्य मुहैया कराकर उनकी चिंताओं को दूर करने का इरादा रखता है। आइआइएफएल कैपिटल एन्हैंसर फंड – सीरीज 1 को गिरावट को सीमित करने के लक्ष्य के साथ निर्मित किया गया है। यह फंड 'पुट ऑप्शन' में निवेश करता है और निवेशकों को बाजार करेक्शन के प्रति सुरक्षा देता है। हमारे अध्ययन बताते हैं कि लंबे समय में पोर्टफोलियो में 95 प्रतिशत रिटर्न उचित संपदा आवंटन से प्राप्त हुये हैं और महज 5 प्रतिशत रिटर्न उत्पाद के चयन से मिले हैं। आइआइएफएल कैपिटल एन्हैंसर फंड–सीरीज 1 का उद्देश्य दीर्घकालिक निवेशकों को आराम प्रदान करना है ताकि वे अल्पकालिक अनिश्चितता की चिंता करने के बजाय उचित संपदा आवंटन पर फोकस कर सकें।''

यह स्कीम लार्ज कैप पोर्टफोलियो में प्रमुखता से निवेश करेगी और पोर्टफोलियो को निफ्टी 50 पुट ऑप्शन से सुरक्षा देगी। इससे निवेशकों को एक थीम में निवेश करने का अवसर मिलता है जिसका उद्देश्य 'जोखिम को न्यूनतम करना और मुनाफे को अधिक से अधिक बढ़ाना है।' इस स्कीम का उद्देश्य गिरावट को सीमित कर निधि निर्माण करना है जिसमें ऊपर जाने का सामर्थ्य हो। एनुअल इंटरवल फीचर निवेशकों को हर साल विशिष्ट ट्रांजैक्शन की अवधि के दौरान सब्सक्राइब करने या फिर बाहर निकलने का विकल्प प्रदान करता है।

**श्री प्रशस्त सेठ, सीईओ, आइआइएफएल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड और इस स्कीम के फंड मैनेजर** ने कहा, ''कैपिटल एन्हैंसर फंड–सीरीज 1 को हमारे निवेशकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। भारत एक बेहद आकर्षक दौर में है; लोगों को दीर्घकालिक निवेश में मुनाफे का अहसास हो रहा है और वे इससे जुड़े जोखिमों को स्वीकार कर रहे हैं। हमारी नवीनतम पेशकश खासतौर से निवेशकों के डर को दूर करती है और इसका उद्देश्य इससे जुड़े जोखिमों को कम करना है। आइआइएफएल एसेट मैनेजमेंट ने हमेशा उद्योग में अपनी खास जगह बनाने में सफलता हासिल की है और हमने नियमित उत्पादों से परे का रूख किया है। अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स कैटेगरी के तहत हमारी पुरानी पेशकशों यानी आइआइएफएल स्पेशल अपॉर्च्युनिटीज फंड में प्रि–आइपीओ और आइपीओ स्पेस पर फोकस किया गया, इसे पहली बार भारत में पेश किया गया और इसने 31 दिसंबर 2017 तक 1.1 अरब डॉलर जुटाये तथा देश में सबसे बड़े एआइएफ में शुमार हो गया।''

भारत निवेश के लिए पांचवा सबसे आकर्षक बाजार बनने के लिए तैयार है। वैश्विक आर्थिक विकास को लेकर आशावाद रिकॉर्ड स्तर पर है और भारत के मामले में यह सकारात्मकता और भी ज्यादा है। आइआइएफएल एएमसी उद्योग में अपनी अलग जगह बनाने के लिए प्रयासरत है और यह पारंपरिक राह से हटकर परिसंपत्ति वर्गों में विविधीकृत, खोजपरक उत्पादों की पेशकश करता है। इन उत्पादों को सशक्त समग्र शोध का समर्थन प्राप्त है जो बाजार में मौजूद अंतर को भरते हैं। कैपिटल एन्हैंसर फंड– सीरीज 1 निवेशकों को अधिक से अधिक मुनाफा कमाने और जोखिम को कम से कम करने में मदद करने वाले समाधानों को मुहैया कराने की दिशा में एक अन्य कदम है।

पूंजी लाभ में सुधार करने की तलाश में जुटे निवेशक और बाजार में पहली बार निवेश करने वाले नौसिखिये 5,000 रूपये की न्यूनतम खरीदारी राशि के साथ आइआइएफएल कैपिटल एन्हैंसर फंड–सीरीज 1 द्वारा पेश रेगुलर या डायरेक्ट प्लान में निवेश कर सकते हैं।

यह उत्पाद उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो तलाश रहे हैं*

| | |
|---|---|
| - दीर्घकालिक पूंजी विकास;<br>- निफ्टी 50 पुट ऑप्शन और अन्य इक्विटी डेरीवेटिव्स खरीदकर हेजिंग की रणनीति के साथ इक्विटी और इक्विटी संबंधी प्रतिभूमियों में निवेश | 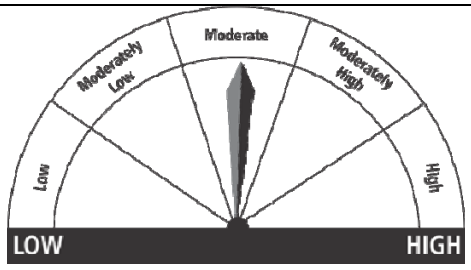<br>Investors understand that the principal will be at Moderate Risk |

*निवेशकों को उत्पाद की उपुयक्तता के बारे में यदि कोई संदेह है तो अपने वित्तीय सलाहकार से परामर्श करना चाहिये।

## आइआइएफएल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के विषय में

आइआइएफएल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड आइआइएफएल इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स का हिस्सा है। आइआइएफएल एसेट मैनेजमेंट (आइआइएफएल एएमसी) एक वैश्विक परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी है जिसे 2008 में बाजार के परिवेश के लिए उपयुक्त विविधीकृत निवेश उत्पाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। आइआइएफएल एसेट मैनेजमेंट बिजनेस सिंगापुर, भारत और मॉरीशस में स्थित अपनी ग्रुप कंपनियों के जरिये आइआइएफएल इन्वेस्टमेंट मैनेजरों द्वारा संचालित लाइसेंस्ड एसेट मैनेजमेंट गतिविधि का हवाला देता है। आइआइएफएल एएमसी के पास म्यूचुअल फंडों, अल्टरनेटिव निवेश फंडों, और सार्वजनिक एवं निजी इक्विटी सहित वेंचर कैपिटल फंडों, फिक्सड इनकम सिक्युरिटीज और रियल एस्टेट का विविधीकृत सुइट है। इसके विशिष्ट उत्पाद बुटीक एसेट मैनेजमेंट फर्म में उद्यमशील धार, कुशलता और कार्यन्वयन की गति लेकर आते हैं।

**''म्यूचुअल फंड में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है, योजना से संबंधित सभी दस्तावेज ध्यानपूर्वक पढ़ें।''**

अस्वीकरण : इस दस्तावेज में शामिल सामग्री को तैयार करने में एएमसी ने उस जानकारी का इस्तेमाल किया है जोकि सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध है, इसमें इनहाउस विकसित जानकारी भी सम्मिलित है। इस दस्तावेज में प्रयुक्त सामग्री और एकत्र की गई जानकारी भरोसेमंद स्रोतों से ली गई है। हालांकि, एएमसी किसी भी जानकारी की शुद्धता, उपयुक्तता/संपूर्णता की कोई जिम्मेदारी नहीं लेती है। हमने इस दस्तावेज में वक्तव्यों को शामिल किया है जिसमें ''करेंगे'', ''संभावना'', ''चाहिये'', ''यकीन करना'', और इस तरह के समान शब्दों या मुहावरों का प्रयोग किया है जोकि ''भविष्य संकेती कथन'' हैं। वास्तविक परिणाम हमारी अपेक्षाओं से जुड़े जोखिमों या अनिश्चितताओं के कारण भविष्य संकेती कथनों द्वारा सुझायी गई जानकारी से अलग हो सकते हैं। ये यहीं तक सीमित नहीं है, इसमें बाजार जोखिम के प्रति एक्सपोजर, भारत और अन्य देशों मे सामान्य आर्थिक व राजनीति स्थितियां जिनका असर हमारी सेवाओं और निवेश पर पड़ सकता है, भारत की मौद्रिक एवं ब्याज नीतियां, महंगाई, अवमूल्यन, ब्याज दरों में अप्रत्याशित हलचल, विदेशी विनिमय दर, इक्विटी की कीमतें अथव अन्य दरें या कीमतें आदि शामिल हैं।

एएमसी (इसके संबद्ध सहित), म्यूचुअल फंड, ट्रस्ट और इसके अधिकारी, निदेशक, कर्मचारी किसी भी नुकसान, किसी भी तरह की क्षति जोकि इतने तक ही सीमित नहीं हैं, प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, विशेष, उत्कृष्ट, परिणामस्वरूप, अथवा इस सामग्री के इस्तेमाल से मुनाफे में होने वाले किसी भी तरह के नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं है। प्राप्तिकर्ता इस सामग्री पर लिये गये निर्णय के लिए खुद पूरी तरह जिम्मेदार होगा। स्कीम के पोर्टफोलियो में स्कीम इनफॉर्मेशन दस्तावेज के प्रावधानों के अनुसार बदलाव हो सकता है। निवेश पैटर्न, रणनीति और जोखिम कारकों के लिए कृपया एसआइडी देखें। निवेशकों को संभााति कर, कानूनी और अन्य वित्तीय जटिलता अथवा आइआइएफएल म्यूचुअल फंड की यूनिट्स सब्सक्राइब करने के परिणामों का निर्धारण करने के लिए अपने खुद के कानूनी, कर और वित्तीय सलाहकारों से परामर्श करने की सलाह दी जाती है।